जोएल, जैस्पर और जुलिया

ऐक एरिकसन

जोएल, जैस्पर और जुलिया
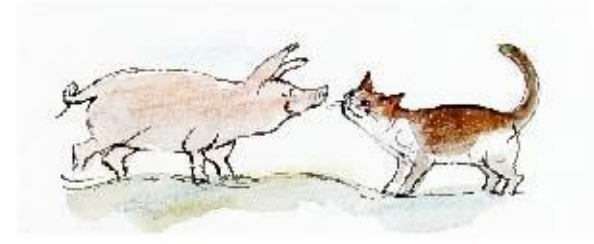
जोएल, जैस्पर और जुलिया

ऐक एरिकसन

बहुत दूर एक गाँव में जोएल एक फार्म में रहता है. किसी भी उजले दिन में आप उसे अपने सबसे अच्छे मित्र के साथ खेलते हुए देख सकते हैं, जैस्पर बिल्ली उसकी सबसे अच्छी मित्र है. जैस्पर हर खेल खेलने में माहिर है, लुका-छिपी हो या कोई और खेल.

पिछली वसंत ऋतु में जब जोएल और जैस्पर लुका-छिपी खेल रहे थे, वह खलिहान की ओर दौड़े. जैसे ही उन्होंने एक मोड़ पार किया उन्हें कुछ कोलाहल सुनाई दिया. खलिहान से चीखने और किकियाने की आवाजें सुनाई दे रही थीं. एक मादा सूअर ने बच्चों को जन्म दिया था-पूरे तेरह बच्चों को.

लेकिन सूअर के बच्चों के लिए तेरह की संख्या सही नहीं होती. सूअर-माँ एक साथ बारह बच्चों को अपना दूध पिला सकती है. इसलिए एक बच्चे को दूध नहीं मिलता है और वह भूखा ही रह जाता है. इस मादा सूअर की तेरहवीं बच्ची सबसे अंत में पैदा हुई थी और दूसरे बच्चों की तुलना में वह छोटी और कमज़ोर थी.

जब जोएल और जैस्पर सूअर की उस छोटी बच्ची को देख रहे थे, जोएल के पिता खलिहान के अंदर आ गए.

“यह बहुत बुरा हुआ,” उन्होंने अपना सिर हिलाते हुए कहा. “हमें इस छोटी, कमज़ोर बच्ची को खत्म करना पड़ेगा. वह अपनी देखभाल नहीं कर सकती.”

“ओह, पिताजी, हम ऐसा नहीं कर सकते हैं!” जोएल ने चिल्लाते हुए कहा. उसके समर्थन में जैस्पर ने भी एक आवाज़ निकाली.

“यह बीमार हो जायेगी और एक दिन मर जायेगी,” उसके पिता ने समझाया.

“नहीं, वह नहीं मरेगी,” जोएल ने कहा, “मैं इसकी देखभाल करूंगा.”

“अच्छा, पर शायद तुम ऐसा कर न पाओ,” पिता ने कहा. “तुम इतने बड़े नहीं हुए कि एक सूअर की देखभाल कर पाओ.”

“मैं कर सकता हूँ,” जोएल ने कहा, “मैं कर के दिखाऊंगा.”

उसी सुबह और उसके बाद हर सुबह, जोएल और जैस्पर सूअर-माँ का दूध निकालने के लिए खलिहान जाते थे.

सूअर-माँ उनके साथ बुरा व्यवहार करती थी इसलिए जोएल को सावधानी के साथ उसका दूध दुहना पड़ता था. सूअर के छोटे बच्चे भी उसे पसंद न करते थे, वह जोएल को देख कर किकियाते थे कि कुछ दूध वह उनके लिए छोड़ दे.

सूअर की बच्ची के लिए सूअर के दूध में वह थोड़ा
गाय का दूध मिला देता था. सूअर का बच्ची अनोखी
आवाज़ें निकालती हुई, सारा दूध गटागट पी जाती थी.

जोएल और जैस्पर उसे जूलिया बुलाते थे.

जूलिया खूब खाती थी.

जैस्पर के देखते-देखते वह बड़ी हो गई,

और बड़ी हो गई
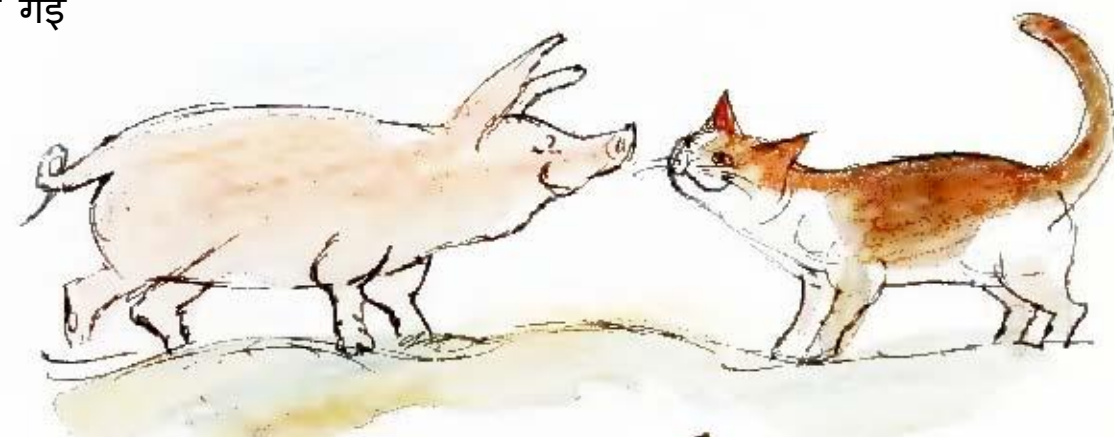
फिर और बड़ी हो गई.

शीघ्र ही जैस्पर ने जूलिया को कूदना, लुका-छिपी और
वह सब खेल सीखा दिए जो वह खेलते थे.

लेकिन जूलिया को पेड़ पर चढ़ना सिखाना एक अलग ही समस्या थी.

जोएल, जैस्पर और जूलिया सबसे अच्छे मित्र बन गए.

जोएल और जैस्पर जहाँ कहीं भी जाते जूलिया सदा उनके पीछे होती थी........

.......विशेषकर जब वह बेकरी जाते थे.

लसीले कैरेमल रोल्स से अधिक स्वादिष्ट कुछ भी न था.

एक दिन जोएल ने जैस्पर और जूलिया को सूअरों के बाड़े में बंद कर दिया.

“अब तुम दोनों,” उसने कहा, “कुछ देर यहीं रहना और अच्छे से व्यवहार करना, मैं माता-पिता के साथ एक शादी पर जा रहा हूँ.”

उस दिन दुपहर के बाद, गाँव की छोटी चर्च में विवाह का संगीत बजने लगा. दुलहन अपने परिवार के साथ चर्च में आई. दुलहन को देखने के ले सब लोग खड़े हो गए. लेकिन दुलहन के बजाय उन्हें कौन दिखाई दिया?

निःसंदेह प्रसन्नता से मुस्कराते हुए जूलिया और जैस्पर.

जूलिया और जैस्पर अपने को बहुत चतुर समझ रहे थे.

दोनों सूअर के बाड़े से बाहर आने में सफल हो गए थे और
बिना किसी की मदद के चर्च आ पहुँचे थे.

जोएल के माता-पिता प्रसन्न नहीं हुए.

"इन्हें घर ले जाओ, अभी," उसके पिता ने डांटते हुए कहा.

जोएल दोनों को चर्च से बाहर ले आया.

घर लौटते समय उन्हें बुरा महसूस हो रहा था.......

.... जब तक कि जूलिया ने तय नहीं किया कि दिन तो झपकी लेने के लिए बना था और धूप में आराम करने से बेहतर कुछ भी न था.

इसलिए जूलिया और जैस्पर उसके पास ज़मीन पर लेट गए और एक बार फिर दुनिया में सब कुछ आनंददायक लगने लगा था.

गर्मियाँ बीत गईं और शरद ऋतु आ गई, फिर शरद के बाद सर्दियाँ शुरु हो गईं.

आकाश से जब हंसों के पंखों के समान बर्फ का सफेद कण धरती पर गिरने लगे, जूलिया खुशी से किकियाने लगी. उसने पहली बार बर्फ देखी थी.

उस दिन जोएल और उसके पिता में गंभीर चर्चा हुई. "बेटा," पिता ने कहा, "क्रिसमस का समय आ रहा है. सभी सूअर मोटे हो गए हैं. आज दुपहर बाद बूचड़खाने से इन सूअरों के ले जाने के लिए गाड़ी आएगी."

"लेकिन पिताजी," जोएल ने विरोध किया.

"मैं समझता हूँ," पिता ने उत्तर दिया.

"तुम्हें अच्छा नहीं लग रहा, लेकिन इसी समय के लिए तो इन सूअरों को पाला गया था. जूलिया ने अच्छा समय बिताया, वसंत में, गर्मियों में और शरद ऋतु में. पर इसी प्रयोजन के लिए तो उसे बड़ा किया था."

जैसे ही पिता वहाँ से गए, जोएल भाग कर घर के पिछली तरफ आया और जूलिया को अपने साथ सीढ़ियों से ऊपर ले आया. अपने कमरे में आकर उसने जूलिया को एक अलमारी में बंद कर दिया. जूलिया इतनी मोटी थी कि बड़ी मुश्किल से दरवाज़ा बंद हुआ.

जोएल ने अलमारी का दरवाज़ा बंद किया ही था कि........

..........उसके पिता कमरे में आ गए. “सारे सूअर तैयार हैं,” उसके पिता ने कहा, “सारे, सिवाय जूलिया के. क्या तुम ने उसे देखा है?”

“ओइंक,” अलमारी से आवाज़ आई. जोएल और जैस्पर खांसी करने लगे.

“क्या तुम्हें जुकाम हो गया है?” जोएल के पिता ने पूछा, वह कठोर दिखने का प्रयास कर रहे थे. “तुम्हारी खांसी की आवाज़ तो अलमारी में बंद एक सूअर की आवाज़ जैसी लग रही है. लेकिन तुम्हारी अलमारी में सूअर तो नहीं हो सकता. क्या अलमारी में सूअर है?”

“अलमारी में सूअर?” जोएल धीमे से बुदबुदाया.

सौभाग्यवश इस बीच बूचड़खाने की गाड़ी चली गई-जूलिया के बिना. जोएल और जैस्पर ने राहत की सांस ली. फिर उन्होंने एक योजना बनाई. उसी रात, जब अंधेरा हो गया, जोएल, जैस्पर और जूलिया चुपचाप जंगल की ओर चल दिये.

उल्लुओं की आवाज़ें सुनते हुए वह जंगल के पेड़ों के बीच घूमते रहे. जूलिया ज़मीन को सूंघती रही और अपने लिए रहने की जगह ढूँढती रही. अंततः उसे एक जगह मिल ही गई-घर बनाने के लिए सबसे उपयुक्त जगह-देवदार के एक विशाल पेड़ के नीचे नर्म, काईदार जगह.

सर्दियों के शेष दिनों में जब भी संभव हुआ, जोएल और जैस्पर दोनों जूलिया से मिलने आए. अपने साथ वह कुछ खाने की चीज़ें ले आते थे. कभी-कभार मीठा कैरेमल रोल भी लाते थे.

घर में जोएल की माँ उसे बड़े गर्व के साथ निहारती. “मैं जानती हूँ कि जूलिया के गुम हो जाने से तुम उदास हो,” माँ ने उससे कहा, “लेकिन तुम ने बहादुरी के साथ इस बात का सामना किया है.” जोएल मुसकरा दिया और जैस्पर गुर्राई.

पिता ने उन दोनों की ओर देखा. “हम्म्म्म,” वह बोले, “मैं समझ नहीं पा रहा कि जूलिया कहाँ चली गई.” जोएल और जैस्पर ने कोई उत्तर न दिया.

एक दिन जब जोएल और जैस्पर जंगल में घूम रहे थे तो उन्होंने देखा कि जूलिया अकेली नहीं थी.

उसके साथ उसके घर में एक सुंदर सूअर था. दोनों घर से बाहर झांक रहे थे.

जोएल और जैस्पर ने तय किया कि उस सूअर को वह जूलियस के नाम से बुलायेंगे.

अंततः सर्दियाँ समाप्त हुईं और फिर से वसंत ऋतु का आगमन हुआ.

जोएल और जैस्पर ने धूप से खिले दिन, ताज़ा हवा में अठखेलियाँ करते हुए बिताये. लेकिन जूलिया की कमी उन्हें खल रही थी.

वह तेरहवां बच्चा था उसके लिए माँ के पास कोई जगह नहीं थी. माँ सिर्फ बारह बच्चों को दूध पिला सकती थी.

एक दिन जूलिया से मिलने के लिए वह दोनों खेतों के बीच से भागकर जंगल में आ गए. उन्होंने जूलिया के घर के अंदर झांका तो उन्होंने क्या देखा? उन्हें दिखाई दिए सूअर के तेरह बच्चे.

सब बच्चे जूलिया के निकट आने की कोशिश कर रहे थे. लेकिन एक छोटा सूअर अलग खड़ा था.

उस दिन दुपहर के समय जोएल के माता-पिता भी आश्चर्यचकित रह गए. जोएल और जैस्पर चलते हुए जंगल से वापस आए. उनके पास सूअर का एक बच्चा था, जो किसी जंगली सूअर जैसा दिखता था. इसके पहले कि उसके माता-पिता कुछ कहते जोएल ने दृढ़ता से कहा, "यह जोनाथन है और मैं इसकी देखभाल करूँगा."

और बात वहीं समाप्त हो गई.